हिंदी विभाग

वर्धमान विश्वविद्यालय

DEPARTMENT OF HINDI

THE UNIVERSITY OF BURDWAN

SYLLABUS

M.A. IN HINDI

TO BE INTRODUCED FROM THE SESSION 2014-2015

एम०ए०पाठ्यक्रम

शिक्षा वर्ष 2014 – 2015 से प्रारंभ

THE UNIVERSITY OF BURDWAN

DEPARTMENT OF HINDI

The new MA course in Hindi offers training in Hindi Language and literature , exposes students to the composite operations of Hindi in India today; sensitizing them to social concern, literary discourses and offer them artistry of job-orientation having core-courses like Hindi Journalism, Translation methods etc. The course is designed keeping an eye to NET-SET, UPSC Examination (Hindi) and it also hones research skills.

PREFATORY NOTES ON CREDITS AND EVALUATION

1. This syllabus comes into effect from 2014-2015 session.
2. It will be of 85 credits comprising 15 courses carrying 5 credits each and one Project Paper having 10 credits.
3. It offers 14 core (including project paper) and 04 elective courses. The core courses also include some prevalent optional papers offered to Hindi students. Based on the present infrastructure, we are offering two pairs of elective courses only in the 3rd and 4th semester. Students of Hindi and other departments can choose between these alternatives.
4. A course of 5 credits shall be of 50 marks in all as explained below:-
   A) 40 marks as End semester examination.
   B) 10 marks (one credit point or 20% of each course) as continuous assessment through Term paper/ Class test/Project report /Seminar presentation/Group discussion/Viva voce etc. modalities for which to be decided by the course In-charge / Teacher concerned / H.O.D.
5. To qualify for the MA degree, students are required to complete a total of 16 courses out of which 14 are compulsory (core) at present. The department may offer more choice based optional courses in future on the availability of improved infra-structure.
6. A Hindi student opting for courses outside the department shall have to take the permission of the HOD before the commencement of the session.
7. Students of other department/discipline may also opt for their elective/optional courses under the credit based choice system subject to a maximum of 10 students on first-cum-first admitted basis.

8. A minimum of 75 credits shall have to be earned from the departmental core/optional courses. A student of Hindi Department can earn a maximum of 10 credits from other departments.
9. The minimum number of classes for a theoretical courses (core or optional/elective) is 70 for 5 credits.
10. Question pattern and form of examination for both End- Term written examination (total 40 marks) and Internal Assessment (Total 10 Marks) will be decided by the teacher(s) offering a course.
11. All other rules including grade points will be at par with the Burdwan University rule/norm.

COURSE STRUCTURE

FIRST SEMESTER

Paper No.	Type	Title	Credit	L - T - P
HIN 101	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल	5	4 - 1 - 0
HIN 102	Core	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	5	4 - 1 – 0
HIN 103	Core	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास	5	4 - 1 – 0
HIN 104	Core	हिन्दी गद्य की विविध विधायें	5	4 - 1 – 0
		Total	20	16 -4- 0

L : Learning Mode T : Tutorial Mode P : Practical Mode

SECOND SEMESTER

Paper No.	Type	Title	Credit	L - T - P
HIN 201	Core	भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	5	4 - 1 – 0
HIN 202	Core	हिंदी आलोचना	5	4 - 1 – 0
HIN 203	Core	हिंदी पत्रकारिता	5	4 - 1 – 0
HIN 204	Core	अनुवाद विज्ञान	5	4 - 1 - 0
		Total	20	16 -4- 0

L : Learning Mode T : Tutorial Mode P : Practical Mode

THIRD SEMESTER

Paper No.	Type	Title	Credit	L - T - P
HIN 301	Core	मध्यकालीन काव्य	5	4 - 1 – 0
HIN 302	Core	आधुनिक काव्य - I	5	4 - 1 – 0
HIN 303	Core	आधुनिक काव्य - II	5	4 - 1 – 0
HIN 304 A	Optional/Elective	जयशंकर प्रसाद	5	4 - 1 - 0
HIN 304 B	Optional/Elective	निराला	5	4 - 1 - 0
		Total	20	16 -4- 0

L : Learning Mode T : Tutorial Mode P : Practical Mode

FOURTH SEMESTER

Paper No.	Type	Title	Credit	L - T - P
HIN 401	Core	हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और पाठ	5	4 - 1 – 0
HIN 402	Core	हिन्दी कहानी : पृष्ठभूमि और पाठ	5	4 - 1 – 0
HIN 403 A	Optional/Elective	प्रेमचंद	5	4 - 1 – 0
HIN 403 B	Optional/Elective	फणीश्वरनाथ रेणु	5	4 - 1 - 0
HIN 403 C	Optional/Elective	राहुल सांकृत्यायन	5	4 - 1 -0
HIN 404	Core	Project Work	10	0 - 2 - 8
		Total	25	12 - 5 - 8

L : Learning Mode T : Tutorial Mode P : Practical Mode

TOTAL CREDIT: 85

Learning Mode	**: 60**	**L**	**: Learning Mode**
Tutorial Mode	**: 17**	**T**	**: Tutorial Mode**
Practical Mode	**: 08**	**P**	**: Practical Mode**

Total Credit : 85

Core Course : A course which should compulsorily be studied by a candidate as core requirement is termed as a Core Subject or Core Course. These are the compulsory courses under the department concerned.

Optional/Elective Course : A course which can be chosen from a pool of courses and which may be very specific/specialized/advanced to the subject of study and which provides extended scope or enables exposure to some other discipline/subjects/departments.

FIRST SEMESTER

PAPER: HIN 101 (CORE COURSE)

Learning Mode: 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode: 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

साहित्य का इतिहास-दर्शन: हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास, हिन्दी साहित्येतिहास की लेखन पद्धतियाँ, काल-विभाजन एवं नामकरण की समस्या, हिन्दी साहित्य के इतिहास की पुनर्लेखन की समस्या।

आदिकाल : नामकरण की समस्या, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ।
सिद्ध, नाथ, जैन और रासो साहित्य: परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
अन्य प्रमुख कवि और प्रमुख काव्य : सामान्य परिचय

पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल) : भक्ति-आंदोलन का अखिल-भारतीय स्वरूप और उनका अन्त: प्रादेशिक वैशिष्टय। भक्ति- आंदोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

संतकाव्य, सूफीकाव्य, कृष्ण-भक्तिकाव्य और रामभक्ति काव्य : वैचारिक आधार, परंपरा, मुख्य प्रवृतियाँ: प्रमुख कवि उनका काव्य।

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा। रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य :- मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य। रीतिकाल की अन्य साहित्यिक धाराएँ : संक्षिप्त परिचय।

PAPER : HIN 102 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

रेनेसाँ, नवजागरण की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, बंगाल का नवजागरण, नवजागरण की प्रवृत्तियाँ । सन् सत्तावन का स्वाधीनता-संग्राम और नवजागरण। आधुनिकता की अवधारणा।

भारतेन्दु और द्विवेदी युगीन काव्य की मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

स्वच्छंदतावाद और छायावाद के उदय और विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। छायावाद की मुख्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई-कविता और समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि, मुख्य प्रवृत्तियाँ , प्रतिनिधि कवि और उनका काव्य।

हिन्दी गद्य: पृष्ठभूमि. उद्भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, भारतेन्दुकालीन हिन्दी गद्य, द्विवेदीकालीन हिन्दी गद्य।

हिन्दी गद्य के विविध रूप: उद्भव और विकास; उपन्यास, कहानी, निबंध, आलोचना, नाटक और रंगमंच, पत्रकारिता और अन्यान्य।

संदर्भ सूची

1. साहित्य का इतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेश कुन्तल मेघ
5. साहित्य का इतिहास-दर्शन : सुमन राजे
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास : (सं) डॉ. नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ : शिव कुमार शर्मा
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : गार्सा द तासी, अनु. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. हिन्दी साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
13. छायावाद : नामवर सिंह
14. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ : नामवर सिंह
15. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
16. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा : पूर्णदास
17. हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा : रमाकांत शर्मा
18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
19. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
20. भारतेन्दु हरिशचन्द्र : नये संदर्भ की तलाश : श्रीनारायण पाण्डेय
21. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
22. द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री : राउटलेन एण्ड के. पॉल
23. एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज : केप्रीकार्त्त बुक्तस
24. द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री) : एलेन लेन
25. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुधीश पचौरी
26. भारतेन्दु और बंकिमचन्द्र : रूपा गुप्ता
27. साहित्य और विचारधारा : रूपा गुप्ता
28. हिन्दी गद्य : स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
29. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे
30. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
31. हिन्दी गद्य का विकास : रामचन्द्र तिवारी
32. साहित्य का इतिहास दर्शन : जगदीश्वर चतुर्वेदी

PAPER : HIN 103 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

भाषा : परिभाषा और अंग, भाषा के विविध रूप। भाषा और बोली में संबंध। संरचनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, समाज-भाषा विज्ञान तथा मनोभाषा विज्ञान।

स्वन विज्ञान और स्वनिम विज्ञान : स्वनयंत्र की संरचना, स्वनों का वर्गीकरण। स्वन-परिवर्तन के कारण। स्वन, सहस्वन और स्वनिम। स्वनिम के भेद : खण्डीय और खण्डेतर।

रूप-विज्ञान : रूप, रूपिम और सहरूप। रूपिम-विज्ञान, शब्द और पद। अर्थतत्व और संबंध तत्व। संबंध तत्व के प्रकार।

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ । अर्थ प्रतीति के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण। अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ।

वाक्य विज्ञान : वाक्य रचना के आधार, वाक्य के प्रकार, वाक्य के निकटतम अवयव।

भाषा और लिपि : देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। हिन्दी भाषा का मानकीकरण और उसकी व्याकरणिक-विशेषताएँ।

अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक-हिन्दी का सामान्य परिचय। मध्यकालीन हिन्दी-भाषा की विशेषताएँ। मध्यकाल में अवधी और ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।

उन्नीसवीं सदी के अन्तर्गत खड़ी बोली का साहित्यिक रूप में विकास। स्वाधीनता-संघर्ष के दौरान हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास। स्वतंत्र-भारत में हिन्दी का राजभाषा के रूप में विकास।

संदर्भ सूची

1. भाषा शास्त्र की रूप रेखा : उदयनारायण तिवारी
2. भाषा एवं भाषिक : देवीशंकर दिवेदी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा की भूमिका : त्रिलोचन पाण्डेय
5. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा
6. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास/भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. ब्रज भाषा और खड़ी बोली का तुलनात्मक अध्ययन : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. संरचनात्मक शैली विज्ञान : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
10. लैंग्वेज : ब्लूमफिल्ड
11. ए. कोर्स इन माडर्न लिंग्वस्टिक्स : हॉकेट
12. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
13. भारत की भाषा-समस्या : रामविलास शर्मा
14. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी
15. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : नरेश शर्मा
16. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
17. व्यावहारिक हिन्दी : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और भोलानाथ तिवारी
18. मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेशचन्द्र मेहरोत्रा
19. भाषा विज्ञान : जीत राम पाठक
20. भाषा विज्ञान की रूपरेखा : हरीश
21. जनरल लिंग्विस्टिक्स : एन इंट्रोडकटरी सर्वे : रॉबिन्स
22. इंट्रोडक्टरी लिंग्विस्टिक्स : ब्लॉक एंड ट्रेगर
23. इनविटिशन टू लिंग्विस्टिक्स : मेरियोपेई
24. हिन्दी भाषा : रूप, उद्भव और विकास : हरदेव बाहरी
25. नवीन भाषा विज्ञान : तिलक सिंह
26. सैद्धांतिक भाषा विज्ञान : जॉन लियॉस
27. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र : कपिल देव दिवेदी
28. तुलनात्मक भाषा शास्त्र : मंगलदेव शास्त्री
29. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी

PAPER : HIN 104 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिन्दी गद्य की विविध विधायें

निबंध : 1. चिंतामणि – (भाग एक) : रामचंद्र शुक्ल

क. श्रद्धा-भक्ति।

ख. कविता क्या है।

2. अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी

क. अशोक के फूल।

ख. मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।

नाटक : आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश।

आत्मकथा : मेरी जीवन यात्रा (खण्ड एक) : राहुल सांकृत्यायन

रेखाचित्र : स्मृति की रेखाऐं : महादेवी वर्मा (भक्तिन, चीनी फेरीवाला, ठकुरी बाबा , गुंगिया)।

वंयग्य : वैष्णव की फिसलन : हरिशंकर परसाई (वैष्णव की फिसलन, अकाल उत्सव, राजनीति का बँटवारा, कबीर समारोह क्यों नहीं)।

रिपोतार्ज : ऋणजल-धनजल – फणीश्वरनाथ रेणु।

द्रुतपाठ : जीवनी, डायरी, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत।

संदर्भ सूची

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा
2. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : नन्ददुलारे वाजपेयी
3. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
4. हिन्दी उपन्यासों पर पाश्चात्य प्रभाव : भारतभूषण अग्रवाल
5. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना : गोविंद चातक
6. साहित्य विधाओं की प्रकृति : (सं) देवीशंकर अवस्थी
7. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ : बैजनाथ सिंहल
8. हिन्दी के रेखाचित्र : मक्खनलाल शर्मा
9. रंग दर्शन : नेमिचन्द्र जैन
10. आधुनिक हिन्दी नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश, गोविंद चातक
11. हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ : हरि मोहन
12. रामचन्द्र शुक्ल : कुसुम चतुर्वेदी और मुक्ता
13. रामचन्द्र शुक्ल : भवदेव पाण्डेय
14. प्रेमचंद : हंसराज रहबर
15. चिंतामणि भाग -1, मीमांसा, राजमल बोरा
16. हिन्दी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार : सुरेशकांत

SECOND SEMESTER

PAPER : HIN 201 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

भारतीय सिद्धांत

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

रस सम्प्रदाय : रस सिद्धांत, रसानुभूति की प्रक्रिया, रसानुभूति का स्वरूप, साधारणीकरण, करुण-रस का आस्वाद।

रसेतर सम्प्रदाय :अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य सम्प्रदाय; इतिहास, परिचय और स्थापनाएँ।

पाश्चात्य सिद्धांत

प्लेटो : अनुकृति।

अरस्तू : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत्।

लोंजाइनस : उदात्त।

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद।

मैथ्यू ऑर्नल्ड : काव्यालोचन के सिद्धांत।

सेमुअल टेलर कॉलरिज :कल्पना सिद्धांत।

आई० ए० रिचर्ड्स : मूल्य संप्रेषण तथा व्यावहारिक समीक्षा के सिद्धांत।

टी०एस० इलियट : परम्परा की अवधारणा और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ सह सम्बंध।

नयी समीक्षा के प्रमुख आलोचक और उनकी स्थापनाएँ।

संदर्भ सूची

1. रस-मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल

2. रस-सिद्धांत : नगेन्द्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी
4. भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
5. रीति काव्य की भूमिका : नगेन्द्र
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा : (सं) सावित्री सिंहा
7. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. कॉन्सेप्टस ऑफ क्रिटिसिज्म : रेनेवेलेक
10. साहित्य सिद्धांत : डब्लू. के. विम्पसेट और क्लिथन्थ ब्रुक्स
11. लिटरेरी क्रिटिसिज्म : जार्ज वॉटसन
12. ए हिस्ट्री ऑफ क्रिटिसिज्म एंड लिटरेरी टेस्ट इन यूरोप (भाग- I & II) : जार्ज सेंट्स बरी
13. ए डिक्शनरी ऑफ मार्डन क्रिटिकल टर्म्स : रॉगोर फार्गट
14. पाश्चात्य काव्य चिंतन : निर्मला जैन और कुसुम बाँठिया
15. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
16. भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह
17. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
19. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नगेन्द्र और सावित्री सिंहा
20. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन : बच्चन सिंह
21. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी
22. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन (संपादित)

PAPER : HIN 202 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit

Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिंदी आलोचना

हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि : रीतिकालीन, भारतेंदुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, शुक्लयुगीन तथा शुक्लोत्तरयुगीन आलोचना।

हिंदी आलोचक : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह तथा मैनेजर पाण्डेय।

आलोचना के भेद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, विधेयवाद, रूपवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर उपनिवेशवाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श।

संदर्भ सूची

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी आलोचना का विकास : नन्दकिशोर नवल
3. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह
4. आलोचना और प्रगतिशील आयाम : शिवकुमार मिश्र
5. आलोचना के बुनियादी सरोकार : कर्णसिंह चौहान
6. मार्क्सवादी साहित्य-चिंतन : शिवकुमार मिश्र
7. नयी समीक्षा के प्रतिमान : (सं) निर्मला जैन
8. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
9. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
10. आलोचना 60-61 : रामविलास शर्मा अंक
11. आलोचना 49-50 : हजारीप्रसाद द्विवेदी अंक
12. पहल 32 : नामवर सिंह पर केन्द्रित अंक
13. वसुधा : रामविलास शर्मा पर केन्द्रित अंक (सं) कमला प्रसाद
14. वसुधा – 53 : नामवर सिंह पर केन्द्रित अंक (सं) कमला प्रसाद
15. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र : गोपीचंद नारंग
16. हिन्दी आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
17. हिन्दी आलोचना : वैचारिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और वाद : नगेन्द्र (संपादित)
19. मापदंड (पत्रिका) : उत्तर आधुनिकता विशेषांक, अंक अक्टूबर 1996
20. हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी : मार्च 1997
21. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – अमरनाथ
22. दलित साहित्य और विमर्श के आलोचक – कँवल भारती

PAPER : HIN 203 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिता का स्वरूप, महत्त्व और विभिन्न प्रकार। साहित्यिक पत्रकारिता और उसका इतिहास।

भारतीय पत्रकारिता का उदय। हिंदी पत्रकारिता का आरंभ। नवजागरणकालीन पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। नवजागरणकाल के प्रमुख पत्र और पत्रकार। स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता के आदर्श।

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता के विविध स्वरूप, प्रवृत्तियाँ, लक्ष्य और आदर्श। लघु-पत्रिका आंदोलन, पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता और स्वतंत्र पत्रकारिता।

जनतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता के दायित्व, वर्तमान पत्रकारिता की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।

संचार क्रांति के आयाम और उसका सामाजिक प्रभाव। इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का वैशिष्टय, संचार क्रांति और संस्कृति।

समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन,विज्ञापन और इंटरनेट।

संदर्भ सूची

1. पत्रकारिता सिद्धांत और कला : विश्वनाथ सिंह
2. पत्रकारिता संदर्भकोश : सूर्यप्रकाश दीक्षित
3. पत्रकारिता के विविध आयाम : रामचन्द्र तिवारी
4. मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रकाश दीक्षित
5. आधुनिक पत्रकार कला : विष्णु दत्त शुक्ल
6. हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम : वेद प्रताप वैदिक
7. हिन्दी पत्रकारिता : विकास और विविध आयाम : सुशीला जोशी
8. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ : विनोद गोदरे
9. राष्ट्रीय नवजागरण हिन्दी पत्रकारिता : मीरा रानी बल
10. समाचार फीचर लेखन और संपादन कला : डॉ. हरिमोहन
11. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पूरनचंद्र जोशी
12. संपादन के सिद्धांत : रामचन्द्र तिवारी
13. समाचार संकलन और लेखन : नंदकिशोर त्रिखा
14. हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द्र सुमन
15. संचार क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया
16. समाचार और प्रारूप लेखन : रामप्रकाश, दिनेश गुप्ता
17. मीडिया समग्र : जगदीश्वर चतुर्वेदी
18. भारतीय पत्रकारिता कोश (दो खंड) – विजयदत्त श्रीधर
19. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रज़ा
20. सिनेमा:कल,आज,कल – विनोद भरद्वाज
21. टेलीविजन समीक्षा : सिद्धांत और व्यवहार – सुधीश पचौरी
22. उत्तर आधुनिक मीडीया विमर्श - सुधीश पचौरी
23. साहित्यिक पत्रकारिता – ज्योतिष जोशी

PAPER : HIN 204 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit

Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

अनुवाद विज्ञान

अनुवाद: परिभाषा, महत्त्व और सीमाएँ
अनुवाद का स्वरूप: कला, विज्ञान अथवा शिल्प।
अनुवाद की इकाई: शब्द, पदबंध, वाक्य और पाठ।

अनुवाद के प्रकार: शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, मौखिक अनुवाद, आशु अनुवाद, लिप्यंतरण, पुनर्रचना और यंत्रानुवाद।

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि: अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा के पाठ का विश्लेषण एवं अर्थग्रहण की प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थांतरण की प्रक्रिया। अनुदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया।

अनुवाद के सिद्धांत: संरचनापरक और अर्थपरक(समतुल्यता) का सिद्धांत। सम्प्रेषणात्मक और भाषावैज्ञानिक, व्याख्यात्मक प्रयोग सम्बंधी, क्षतिपूर्ति और पुनर्रचना का सिद्धांत।

अनुवाद का क्षेत्र और चुनौतियाँ: भाषिक संरचनागत (शैलीगत, पाठगत, प्रयुक्तिगत और सांस्कृतिक), कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुवाद। साहित्यिक, मानविकी और संचार माध्यम अनुवाद।

अनुवाद व्यावहारिक (प्रैक्टिकल): अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद और हिंदी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

संदर्भ सूची

1. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी

2. काव्यानुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद क्या है? : राजमल बोरा
4. भारतीय भाषाएँ एवं हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान : कैलाशचन्द्र भाटिया
5. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : सुरेश कुमार
6. अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
7. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग : कैलाशचन्द्र भाटिया
8. अनुवाद : प्रक्रिया और स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. अनुवाद : विज्ञान और संप्रेषण : हरिमोहन
10. अनुवाद के विविध आयाम : पूरनचन्द टंडन
11. अनुवादशास्त्र : सिद्धांत से व्यवहार की ओर : हेमचन्द्र पाण्डेय
12. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना : आरसु
13. अंग्रेजी हिन्दी अनुवाद व्याकरण : सुरेश कुमार
14. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : सुरेश कुमार
15. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे
16. अनुवाद कार्य दक्षता : भारतीय भाषाओं की समस्याएँ : सं. महेन्द्रनाथ दूबे
17. अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
18. व्यावहारिक अनुवाद : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर

THIRD SEMESTER

PAPER : HIN 301 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit

Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

मध्यकालीन काव्य

कबीर : कबीर ग्रंथावली : संपादक :- माताप्रसाद गुप्त, साहित्य भवन इलाहाबाद

साखी संख्या :- गुरू के अंग : 11, 12, 16, 17, 25

सुमिरन को अंग : 4, 12

ज्ञान-विरह के अंग : 3

परचा कौ अंग : 20, 22

पद संख्या :- 1, 11, 24, 27, 39, 40, 45, 51, 52, 110

रैदास : रैदास की बानी : संपादक – शुकदेव सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

पद संख्या :- 6, 12, 16, 17, 20, 22, 23, 2, 37, 53, 65, 69, 70, 80, 90, 93, 95, 98, 105, 116

सूरदास : भ्रमरगीत-सार : संपादक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

पद संख्या : 21, 23, 34, 42, 62, 64, 74, 76, 85, 97, 99, 110, 121, 138, 210, 375, 400

तुलसीदास : रामचरित मानस, गीताप्रेस, गोरखपुर।

रामराज्य वर्णन : दोहा संख्या 20 से दोहा 30 तक।

पुन : दोहा संख्या 36 से दोहा 41 तक।

कलि वर्णन – दोहा संख्या 97 से दोहा 103 तक।

मीराँबाई : मीराँबाई की पदावली : संपादक परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।

पद संख्या : 1, 2, 14, 18, 19, 20, 22, 32, 36, 41, 42, 49, 53, 70, 73, 76, 84, 103

बिहारी : बिहारी रत्नाकर : संपादक – जगन्नाथ दास रत्नाकर, ग्रंथकार, वाराणसी।

दोहा संख्या : 1, 11, 31, 32, 47, 69, 75, 94, 141, 173, 181, 201, 261, 327, 335, 340, 347, 351, 376, 388, 411, 418, 420, 428, 461, 472, 481, 581, 619

घनानंद : घनानंद कवित्त – संपादक – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , सरस्वती मंदिर, वाराणसी।

कवित्त संख्या : 6, 8, 10, 15, 16, 18, 23, 24, 28, 29, 38, 42, 51, 63, 69, 78, 83, 88, 94, 97

संदर्भ सूची

1. कबीर-साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
2. कबीर : व्यक्ति, कृति और सिद्धांत : सरनाम सिंह शर्मा
3. सूर और उनका साहित्य : हरवंश लाल शर्मा
4. महाकवि सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल
5. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
6. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

7. बिहारी : ओमप्रकाश
8. घनानंद और स्वच्छंद काव्य धारा : कृष्णचन्द्र वर्मा
9. प्राचीन मुख्य कवियों का मूल्यांकन : विमल
10. त्रिवेणी : रामचन्द्र शुक्ल
11. सगुण भक्ति काव्य में लोक पक्ष : मोहन
12. वागर्थ-59, मार्च-अप्रैल 2000, कबीर विशेषांक : सं. प्रभाकर क्षोत्रिय
13. सापेक्ष-44, कबीर विशेषांक : सं. महावीर अग्रवाल
14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
15. कृष्णकाव्य की परंपरा और सूरदास : मैनेजर पाण्डेय
16. कबीर : हजारी प्रसाद दिवेदी
17. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल
18. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
19. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
20. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी

PAPER : HIN 302 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

आधुनिक काव्य - I

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत : नवम सर्ग

जयशंकर प्रसाद : कामायनी : चिंता, श्रद्धा, इड़ा, आनंद।

सुमित्रानंदन पंत : नौका-विहार, संध्या-तारा, ताज।

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : तुलसीदास, कुकुरमुत्ता।

महादेवी वर्मा : यामा : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
गीत : मैं नीर भरी दु:ख की बदली, धीरे-धीरे उत्तर क्षितिज से आ बसंत रजनी, पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला, सब आँखों के आँसू उजले, जीवन विरह का जलजात।

रामधारी सिंह दिनकर : उर्वशी : तीसरा सर्ग।

अज्ञेय : आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय : संपादक – विद्यानिवास मिश्र।
असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की।

PAPER : HIN 303 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

आधुनिक काव्य - II

गजानन माधव मुक्तिबोध : कविता : चाँद का मुंह टेढ़ा है, अंधेरे में।

शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ : संपादक – नामवर सिंह, कविताएँ : स्थिर है शव-सी बात, ऊषा, चुका भी हूँ मैं नहीं, काल तुझसे होंड़ है मेरी, अमन का राग, पीली शाम, वह सलोना जिस्म।

रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरूद्ध।
कविताएँ : स्वाधीन व्यक्ति, मेरा प्रतिनिधि, अधिनायक, नेता क्षमा करें, अपने आप और बेकार, खड़ी स्त्री. अकाल, नयी हँसी, एक अधेड़ भारतीय आत्मा।

नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ : संपादक – नामवर सिंह
कविताएँ – घिन तो नहीं आती है, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, चंदू मैंने सपना देखा, शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद, मंत्र, प्रेत का बयान।

धूमिल : संसद से सड़क तक
कविता : पटकथा।

संदर्भ सूची

1. मैथिलीशरण गुप्त : कमलाकांत पाठक
2. मैथिलीशरण गुप्त : भारतीय संस्कृति के व्याख्याता : उमाकांत गोयल
3. साकेत का प्रतिपाद्य : सूर्यप्रकाश दीक्षित
4. कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
5. कामायनी का पुर्नमूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर

7. जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी
8. कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
9. निराला की साहित्य साधना : भाग-1, 2 और 3 : रामविलास शर्मा
10. निराला : आत्माहंता आस्था : दूधनाथ सिंह
11. काव्यभाषा और निराला की कविताएँ : रेखा खेर
12. विवेक के रंग : सं. देवीशंकर अवस्थी
13. दिनकर के काव्य में परंपरा और आधुनिकता : जयसिंह नीरज
14. उर्वशी : उपलब्धि और सीमा : विजेन्द्र नारायण सिंह
15. युग-चारण दिनकर : सावित्री सिंहा
16. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
17. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी
18. मुक्तिबोध का रचना संसार : सं. गंगा प्रसाद विमल
19. गजानन माधव मुक्तिबोध : सं. लक्ष्मणदत्त गौतम
20. मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कविता : लल्लन राय
21. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
22. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
23. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना : नन्दकिशोर नवल
24. तीन लंबी कविताएँ : नन्दकिशोर नवल
25. नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
26. नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी
27. प्रयोगवाद और नयी कविता : शंभुनाथ सिंह
28. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : हुकुमचन्द राजपाल
29. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह

PAPER : HIN 304 A (Optional/Elective Course)

जयशंकर प्रसाद

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

पाठ

- लहर (संपूर्ण)
- कामायनी(संपूर्ण)

संदर्भ सूची

1.हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे बाजपेयी

2.जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही

3.कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध

4.जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय

5.जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे बाजपेयी

6.प्रसाद की काव्य-भाषा - रचना आनंद गौड़

7.प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना - रामकृष्ण अग्रवाल

8.कामायनी-लोचन (प्रथम एवं द्वितीय खंड) - उदयभानु सिंह

9.प्रसाद का काव्य - प्रेमशंकर

PAPER : HIN 304 B (Optional/Elective Course)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

पाठ

- राम की शक्तिपूजा
- सरोज-स्मृति

कवितायें :-

- जागो फिर एक बार।
- बादल राग – 6 ।
- तोड़ती पत्थर।
- स्नेह निर्झर बह गया है।
- भारती जय विजय करें।
- बांधो न नाव इस ठाँव बंधु।
- चूंकि यहाँ दाना है।
- गहन है यह अंधकारा।
- खुला आसमान।
- कुछ न हुआ न हो।
- राजे ने अपनी रखवाली की।

संदर्भ सूची

1.निराला : कवि –छवि – नंदकिशोर नवल

2. निराला: कृति से साक्षात्कार – नंदकिशोर नवल

3. निराला की साहित्य साधना (3 खंड) – रामविलास शर्मा

4. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन – ए०अरविंदाक्षन

5. निराला का काव्य – बच्चन सिंह

6. निराला : आत्महंता आस्था – दूधनाथ सिंह

7. निराला का अलक्षित अर्थ गौरव – पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

8.एवं निराला – भवदेव पाण्डेय

9.निराला – विश्वनाथप्रसाद तिवारी

10.निराला की कविताएँ और काव्यभाषा – रेखा खरे

11.निराला और मुक्तिबोध – नंदकिशोर नवल

12.निराला के सृजन सीमांत – अर्चना वर्मा

FOURTH SEMESTER

PAPER : HIN 401 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिन्दी उपन्यास : पृष्ठभूमि और पाठ

गद्य का उदय और विकास : औद्योगिकीकरण, मध्यवर्ग का उदय और लोकतंत्र। यथार्थ की पहचान, प्रभाव और प्रयोग। कथा-सृष्टि और उसके विकास में कथा-पत्रिकाओं की भूमिका और उसका योगदान।

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास, प्रेमचंद और उनके युग के उपन्यास : सर्जनात्मक पृष्ठभूमि और प्रवृतियाँ।

प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास : मनोविश्लेषणवादी उपन्यास, आँचलिक उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास : सर्जनात्मक पृष्ठभूमि और प्रवृतियाँ।

साहित्य का समाजशास्त्र और हिन्दी उपन्यास
हिन्दी उपन्यास : दलित विमर्श और स्त्री विमर्श

पाठ

कंकाल : जयशंकर प्रसाद
गोदान : प्रेमचंद
बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारीप्रसाद दिवेदी
शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग) : अज्ञेय
सुहाग के नूपुर : अमृतलाल नागर
धरती धन न अपना : जगदीशचन्द्र
महाभोज : मन्नू भंडारी

संदर्भ सूची

1. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
2. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान : देवराज उपाध्याय
3. अधूरे साक्षात्कार: नेमिचन्द्र जैन
4. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति : चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. उपन्यास और लोकजीवन : रैल्फ फॉक्स
6. प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
7. प्रेमचन्द का पुनर्मूल्यांकन : शंभुनाथ

8. प्रेमचन्द : विरासत का सवाल : शिवकुमार मिश्र
9. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
10. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
11. हिन्दी उपन्यासों पर पाश्यात्य प्रभाव : भारतभूषण अग्रवाल
12. हिन्दी उपन्यास : एक नयी दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान
13. विवेक के रंग : (सं.) देवीशंकर अवस्थी
14. कथा-समय : विजयमोहन सिंह
15. उपन्यास का उदय : आयन वाट
16. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
17. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य : गोपाल राय
18. गोदान : सं. राजेश्वर गुरू
19. गोदान : एक नव्य दृष्टि : शैलेश जैदी
20. प्रेमचन्द और मार्क्सवादी आलोचना : सं. जगदीश्वर चतुर्वेदी और चन्द्रकला पाण्डेय

PAPER : HIN 402 (CORE COURSE)

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

हिन्दी कहानी : पृष्ठभूमि और पाठ

हिन्दी कहानी : प्रेमचंदपूर्व युग की कहानियाँ, प्रेमचंदयुगीन एवं प्रेमचंदोत्तर युग की कहानियाँ : वस्तु एवं रूपरचना

स्वतंत्र्योत्तर युग के विभिन्न कहानी आन्दोलन : नई कहानी, अकहानी, समांतर कहानी, जनवादी कहानी अन्य कहानी आन्दोलन।

हिन्दी कहानी : दलित विमर्श और स्त्री विमर्श।

पाठ

उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

कफन – प्रेमचंद

पत्नी – जैनेन्द्र

रोज – अज्ञेय

तुमने क्यों कहा था कि मैं सुंदर हूँ – यशपाल

गदल – रांगेय राघव

जहाँ लक्ष्मी कैद है – राजेन्द्र यादव

राजा निरबंसिया – कमलेश्वर

यही सच है – मन्नू भंडारी

जिन्दगी और जोंक – अमरकांत

परिंदे – निर्मल वर्मा

तीसरी कसम – रेणु

भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

चीफ की दावत – भीष्म साहनी

टोबाटेक सिंह – मंटो

पिता – ज्ञानरंजन

अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह

कोशी का घटवार – शेखर जोशी

पार्टीशन – स्वयं प्रकाश

तिरिछ – उदय प्रकाश

सागर सीमांत – संजीव

तीसरा विभाजन – अनय

सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि

संदर्भ सूची

1. हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
2. कहानी की बात : मार्कण्डेय
3. कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
4. कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह
5. नयी कहानी की भूमिका : कमलेश्वर

6. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : सं. देवीशंकर अवस्थी
7. एक दुनिया समानांतर : सं. राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र चौधरी
9. आज की कहानी : विजयमोहन सिंह
10. कथा-समय : विजयमोहन सिंह
11. समकालीन हिन्दी कहानी : पुष्पपाल सिंह
12. कहानी में अनुपस्थित : गौतम सान्याल
13. कथा-विवेचन और गद्य-शिल्प : रामविलास शर्मा
14. हिन्दी कहानी : पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान
15. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
16. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय : यदुनाथ सिंह
17. हिन्दी कहानी : आठवां दशक : सरबजीत
18. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी
19. वर्तमान साहित्य, संयुक्तांक 1-2, शताब्दी कथा विशेषांक : पुष्पपाल सिंह

PAPER : HIN 403 A (Optional/Elective Course)

प्रेमचंद

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

पाठ

उपन्यास

- रंगभूमि
- गबन
- प्रेमाश्रम

कहानी

- ईदगाह
- ठाकुर का कुंआ
- पूस की रात
- सद्गति
- पंच परमेश्वर
- बेटोंवाली विधवा
- सवा सेर गेहूँ
- मनोवृत्ति
- दो बैलों की कथा
- मंत्र

संदर्भ सूची

1.प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

2.प्रेमचंद:कहानी का रहनुमा – जाफ़र रज़ा

3.प्रेमचंद का चिंतन:अपनी जमीन – राममूर्ति त्रिपाठी

4.प्रेमचंद के आयाम - ए० अरविंदाक्षन

5.प्रेमचंद:एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान

6.प्रेमचंद और भारतीय समाज – नामवर सिंह

7.प्रेमचंद:एक साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे बाजपेयी

8.आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद – सत्यकाम

9.कलम का मज़दूर:प्रेमचंद – मदन गोपाल

10.प्रेमचंद:विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता – (संपादित) मुरलीमनोहर प्रसाद सिंह एवं रेखा अवस्थी

11.प्रेमचंद:विरासत का सवाल – शिवकुमार मिश्र

12.प्रेमचंद के साहित्य में हाशिये का समाज(एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य) - शुभ्रा सिंह

13.प्रेमचंद – हंसराज रहबर

14.प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी

15.प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमिक अध्ययन – कमल किशोर गोयंका

PAPER : HIN 403 B (Optional/Elective Course)

फणीश्वरनाथ रेणु

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit
Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

पाठ

उपन्यास

- परती परिकथा
- जूलूस
- कलंक मुक्ति

कहानी

- पंचलाइट
- संवदिया
- लालपान की बेगम
- रसप्रिया
- एक श्रावनी दोपहरी की गंध
- मिथुन राशि
- अगिनखोर
- एक आदिम रात्रि की महक
- हाथ का जस और वाक का सत
- ठेस

संदर्भ सूची

1. कहानीकार फणीश्वरनाथ रेणु - राज रैना
2. कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु - चन्द्रभानु सीताराम सोनवणे
3. फणीश्वरनाथ रेणु का साहित्य - अंजली तिवारी
4. रेणु; कृतित्व एवं कृतियां - (सं) सियाराम तिवारी
5. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा साहित्य - जोगेन्द्र सिंह वर्मा

6. उपन्यासकार रेणु और मैला आंचल - गोपाल राय
7. फणीश्वरनाथ रेणु की कहानियाँ ; शिल्प और सार्थकता - हरिकृष्ण कौल
8. फणीश्वरनाथ रेणु का कथा-शिल्प - रेणुशाह
9. रेणु का जीवन – (संपादित) भारत यायावर
10. रेणु के साथ - (संपादित) भारत यायावर

PAPER : HIN 403 C (Optional/Elective Course)

राहुल सांकृत्यायन

Learning Mode : 4 Credit
Tutorial Mode : 1 Credit
Practical Mode : 0 Credit

Total : 5 Credit

Total Classes : 70 minimum

पाठ

- **बाईसवीं सदी (उपन्यास)**
- **सतमी के बच्चे (कहानी संग्रह)**
- **वोल्गा से गंगा (कहानी संग्रह)**
- **भागो नहीं दुनिया को बदलो (निबंध)**

संदर्भ सूची

1. राहुल सांकृत्यायन का कथा-साहित्य : प्रभाकर मिश्र
2. राहुल सांकृत्यायन – भदंत आनंद कौसल्यायन
3. महापंडित राहुल : समग्र मूल्यांकन – वीरेंद्र सिंह
4. स्वयंभू महापंडित राहुल सांकृत्यायन – गुणाकर मुले

5. राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष – उर्मिलेश
6. राहुल सांकृत्यायन – (संपादित) श्रीनिवास शर्मा
7. समय साम्यवादी – विष्णुचंद्र शर्मा
8. हिंदी कलम(पत्रिका),1993 – राहुल विशेषांक
9. वसुधा,अंक – 26 .अप्रैल-जून,1994 – राहुल विशेषांक
10. समकालीन सृजन, अंक-15,1993 - राहुल विशेषांक

PAPER : HIN 404 (Core Course)

Project Work

अनुनियोजित कार्य

Learning Mode : 0 Credit

Tutorial Mode : 2 Credit

अंक-विभाजन

लिखित अधिनिबंध : 70

Practical Mode	**: 8 Credit**	**मौखिक**	**: 20**
		अध्ययन संबंधी यात्रा या	
Total	**: 10 Credit**	**Social Outreach**	**: 10**
		Total	**: 100**

लिखित **अधिनिबंध** निम्नलिखित **विषय-क्षेत्र** पर केन्द्रित होगा। अधिनिबंध की लगभग शब्द सीमा **7000 (सात हजार)** निर्धारित है। इस पत्र के अंतर्गत **अध्ययन सम्बन्धी यात्रा व Social Outreach** भी शामिल होगी।

विषय क्षेत्र :-

क) हिन्दी काव्य

ख) हिन्दी कथा-साहित्य (कहानी और उपन्यास)

ग) हिन्दी कथेतर साहित्य (जैसे निबंध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृतांत, डायरी आदि)

घ) साहित्य का समाजशास्त्र

ङ) साहित्य और विचारधारा

च) तुलनात्मक अध्ययन

छ) भारतीय साहित्य